University in News on 12 February 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

13 शिक्षकों ने क्षय रोगियों को लिया गोद

लखनऊ। लविवि के समाज कार्य विभाग में स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ ने मंगलववार को समर्पण दिवस मनाया। इसमें विश्वविद्यालय के 13 शिक्षकों ने क्षय रोगियों को गोद लिया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि टीबी को समाप्त करने के लिए हमें मानसिक और भावनात्मक समर्थन भी मरीजों को देना होगा। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि जिन शिक्षकों ने रोगियों को गोद लिया है, उसमें प्रो. डीके सिंह, प्रो. ओपी शुक्ल, डॉ. रणविजय सिंह, प्रो. एसपी सिंह, डॉ. राहुल पांडे, डॉ. प्रवीश प्रकाश, डॉ. अमरेन्द्र कुमार, डॉ. कमर इकबाल, डॉ. राजेश्वर यादव, डॉ. रमेश कुमार त्रिपाठी, डॉ. अंविता वर्मा, प्रो. रूपेश कुमार और डॉ. फाजिल हाशमी हैं। (संवाद)

सान्या गुप्ता को पूजा स्मृति पुरस्कार

लखनऊ। लविवि के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की शोधार्थी सान्या गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए पूजा भारती स्मृति पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार संस्कृति मंत्रालय की ओर से 8 से 10 फरवरी तक राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान में आयोजित भारतीय कला इतिहास कांग्रेस के 32वें अधिवेशन में दिया गया। सान्या का शोध पत्र रामो विग्रहवान धर्म : श्री राम जन्मभूमि मंदिर, अयोध्या में राम लला (बालक राम) की प्रतिमा के संदर्भ में धर्म की मूर्त अभिव्यक्त पर आधारित था। (संवाद)

प्रो. राकेश ने लिया प्रॉक्टर का चार्ज

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाजकार्य विभाग के शिक्षक प्रो. राकेश द्विवेदी ने मंगलवार को दोबारा चीफ प्रॉक्टर पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्हें विभागीय शिक्षकों, शोध छात्रों और छात्र संगठनों से जुड़े कार्यकर्ताओं ने शुभकामनाएं दीं। प्रो. राकेश द्विवेदी का प्रॉक्टर पद के लिए यह दूसरा कार्यकाल होगा। कार्यभार ग्रहण करने पर प्रो. राकेश द्विवेदी ने कहा कि विवि में अनुशासन कायम रखना उनकी प्राथमिकता है। (संवाद)

युवा संसद में छात्रों ने रखे विचार

लखनऊ। लविवि के प्रबंधन संकाय में केंद्रीय बजट 2025 पर चर्चा विषय पर युवा संसद का आयोजन हुआ। संकायाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू ने बताया कि छात्र आयुष ने रक्षा, गरिमा मिश्रा ने वाणिज्य एवं उद्योग, सचिन ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से पक्ष रखा। शिरीन शाह ने लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका निभाई। प्रो. साहू ने कहा कि यूथ पार्लियामेंट छात्रों को वास्तविक दुनिया के मुद्दों से जुड़ने और आलोचनात्मक सोच विकसित करने का एक मंच प्रदान करता है। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 07

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में पं. दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ ने सोमवार को समर्पण दिवस मनाया। इसमें विश्वविद्यालय के 13 शिक्षकों ने क्षय रोग (टीबी) से ग्रसित रोगियों को पोषण किट वितरण कर उन्हें गोद लिया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय समेत अन्य मौजूद रहे।

सान्या को पूजा स्मृति पुरस्कार मिला

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व विभाग की शोधार्थी सान्या गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए पूजा भारती स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जानकारी के अनुसार छात्रा को यह पुरस्कार आठ से 10 फरवरी तक संस्कृति मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान में आयोजित भारतीय कला इतिहास कांग्रेस के 32वें अधिवेशन में दिया गया।

युवा संसद में विद्यार्थियों ने रखी अपनी राय

लखनऊ। एलयू के प्रबंधन संकाय में केंद्रीय बजट 2025 पर चर्चा विषय पर युवा संसद का आयोजन हुआ। संकायाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू ने बताया कि छात्र आयुष ने रक्षा, गरिमा मिश्रा ने वाणिज्य एवं उद्योग, सचिन ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय की ओर से अपना पक्ष रखा। शिरीन शाह ने लोकसभा अध्यक्ष की भूमिका निभाई।

NBT PAGE 6

LU: यूथ पार्लियामेंट में बजट पर चर्चा

NBT रिपोर्ट, लखनऊः एलयू के मैनेजमेंट विभाग में मंगलवार को हुई यूथ पार्लियामेंट में छात्रों ने केंद्रीय बजट पर चर्चा की। इसमें एमबीए सेकंड सेमेस्टर के आनंद मौर्य ने वित्त मंत्रालय का जिम्मा संभालते हुए टैक्स में छूट का बजट पेश किया। इसी तरह आयुष कुमार जायसवाल ने रक्षा मंत्रालय, सचिन ने कृषि, रिया गोयल ने स्वस्थ्य, अनुपमा ने शिक्षा, आयुषी ने एमएसएमई, एपी सिंह ने सड़क परिवहन और प्रीति ने गृह मंत्रालय का बजट पेश किया। इस दौरान डीन प्रो. संगीता साहू ने छात्रों को ऐसे कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया।

PIONEER PAGE 3

विश्वविद्यालय के 13 शिक्षक बने क्षय रोगियों के निक्षय मित्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के पण्डित दीनदयाल उपाध्याय शोधपीठ द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्य तिथि समर्पण दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान -2025 एवं 100-दिवसीय सघन टीबी अभियान के अंतर्गत विवि के 13 शिक्षकों द्वारा निक्षय मित्र के रूप में क्षय रोग से पीड़ित बच्चो को गोद लेकर उन्हें पोषण पोटली वितरित करके किया गया। इसके अतिरिक्त विभाग में नव सज्जित प्रो. सुरेंद्र सिंह सभागार का लोकार्पण भी किया गया।

ये बने निक्षय मित्र: प्रो. डीके सिंह, प्रो. ओपी शुक्ल, डॉ. रणविजय सिंह, प्रो. एसपी सिंह, डॉ. राहुल पांडे, डॉ. प्रवीश प्रकाश, डॉ. अमरेन्द्र कुमार, डॉ. कमर इकबाल, डॉ. राजेश्वर यादव, डॉ. रमेश कुमार त्रिपाठी, डॉ. अंविता वर्मा, प्रो.रूपेश कुमार और डॉ फाजिल हाशमी।

इस सभागार को प्रो. सुरेंद्र सिंह द्वारा समाज कार्य के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व योगदान एवं मूल्यों के रूप में समर्पित किया गया है। यह कार्यक्रम समाज कार्य विभाग के राधाकमल मुकर्जी सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में पंडित जी के अंत्योदय की भावना को समाज कार्य विभाग द्वारा आत्मसात करने पर बधाई देते हुए कहा कि जिस प्रकार पंडित जी के विचार थे कि समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान हो सके इस प्रकार आज समाज कार्य विभाग ने क्षय रोग से पीड़ित पंक्ति के अंत में खड़े लोगों को गोद लेने का जो कार्य किया है, वह अत्यंत ही सराहनीय है। कुलपति ने क्षय रोग उन्मूलन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए समाज से इस अभियान में जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि कैसे यह कार्यक्रम समाज कार्य के विद्यार्थियों को अनुभवात्मक सीख देने का सर्वोत्तम तरीका है, जिसके सिद्धांतों एवं परिकल्पना का सूत्रपात विभिन्न समाजशास्त्रियों ने किया है। इस दौरान दीन दयाल उपाध्याय शोधपीठ के तत्वावधान में निकाली गई अंत्योदय पत्रिका का विमोचन भी किया गया। उन्होंने कहा कि टीबी को समाप्त करने के लिए हमें न केवल चिकित्सा सहायता बल्कि मानसिक और भावनात्मक समर्थन भी मरीजों को देना होगा। इस कार्यक्रम में लखनऊ जिला टीबी अधिकारी डॉ. ए के सिंघल ने टीबी उन्मूलन अभियान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि इस बीमारी के खिलाफ लड़ाई में सरकार, चिकित्सा संस्थान और समाज के हर नागरिक को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने जानकारी दी कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की माता की मृत्यु भी टीबी से हुई, उन्होंने बताया कि लखनऊ में 24000 तथा 6000 समीपस्थ जिलों में टीबी के मरीज हैं। निक्षय पोषण हेतु 1000 रुपए प्रति माह सरकार की तरफ से सहायतार्थ है, आगे उन्होंने कहा कि केवल सरकारी प्रयासों से ही इसे समाप्त नहीं किया जा सकता समाज की सहभागिता भी अत्यंत आवश्यक है। टीबी के विविध पहलुओं उसका प्रसार, रोकथाम, उपचार , टीबी के चार पिलर, आहार, प्रोटीन, गजक, गुड, आदि के विषय में जानकारी दी।

THE PIONEER PAGE 2

MEMORIAL LECTURE

Lucknow University's geology department hosted the '4th Prof IB Singh Memorial Lecture' to honour the contributions of the esteemed geoscientist. Additional DG and Head of Geological Survey of India (Northern Region), Rajinder Kumar, was the chief guest. The lecture was delivered by former ADG, Geological Survey of India, Dr Prabhas Pandey, who discussed the 'Seismotectonics of the Himalaya and its hydropower potential.' Janak Singh, wife of the late Prof IB Singh, also attended the event. HoD Prof Dhruv Sen Singh paid tribute to Prof Singh's pioneering work in quaternary sediments, emphasising his contributions to geomorphology, climate change studies, and river systems. Dr Pandey highlighted the seismic hazards in the Himalayas and discussed the region's hydropower potential, urging responsible development to minimize environmental risks.

केंद्रीय बजट 2025 पर विद्यार्थियों ने की चर्चा

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रबंधन विभाग, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज की ओर से मंगलवार को यूथ पार्लियामेंट 2025 का आयोजन किया गया। जहां उन्होंने केंद्रीय बजट 2025 पर चर्चा विषय पर गहन विचार-विमर्श किया। इस अनूठी पहल के माध्यम से प्रबंधन के छात्रों को राष्ट्र निर्माण से जुड़ी अपनी सोच व्यक्त करने का अवसर मिला। इस मंच ने छात्रों को बजट संबंधी नीतियों का समालोचनात्मक विश्लेषण करने और आर्थिक प्रशासन पर सार्थक चर्चा में भाग लेने का अवसर प्रदान किया।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया प्रतिभागियों ने विभिन्न मंत्रियों की भूमिका निभाते हुए एक संसदीय सत्र का सजीव अनुकरण किया। जिसमें उन्होंने प्रमुख बजट आवंटनों और उनकी संभावित प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की।

JAGRAN CITY PAGE III

'बढ़ रही है हिमालय की ऊंचाई'

जासं • लखनऊः 'हर साल भारतीय प्लेट लगभग पांच मिमी की गति से उत्तर की ओर बढ़ने की वजह से हिमालय की ऊंचाई लगातार बढ़ रही है। यह कहना है भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक डा. प्रभास पांडे का। वह लवि के भू-विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित चतुर्थ प्रो. आइबी सिंह स्मृति व्याख्यान को संबोधित किया।

उन्होंने 1905 के कांगड़ा भूकंप से लेकर 2015 के गोरखा भूकंप तक का उल्लेख करते हुए हिमालय क्षेत्र की भूकंपीय संवेदनशीलता पर रोशनी डाली। भू-विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. ध्रुव सेन सिंह ने बताया कि प्रो. आइबी सिंह ने उस समय चतुर्थक अवसादी संरचनाओं पर शोध प्रारंभ किया, जब अधिकांश भूवैज्ञानिक कठोर चट्टानों पर ही काम कर रहे थे। उनका शोध गंगा मैदान, नदी तंत्र, जलवायु परिवर्तन और भू-पुरातत्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित रहा, जिसने भारतीय भू-विज्ञान को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (उत्तरी क्षेत्र) के अतिरिक्त महानिदेशक राजिंदर कुमार ने कहा कि प्रो. आइबी सिंह की दूरदृष्टि ने भारतीय भू-विज्ञान को एक नई दिशा दी। स्वर्गीय प्रो. आइबी सिंह की पत्नी जानकी सिंह उपस्थित रहीं। संचालन डा. रामानंद यादव ने किया।

AMRIT VICHAR PAGE 8

प्रो. आईबी सिंह के शोध आधुनिक अनुसंधानों की आधारशिला

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग की ओर से हिमालय की भूकंपीय संरचना और इसकी जलविद्युत क्षमता विषय पर चतुर्थ प्रोफेसर आईबी सिंह स्मृति व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (उत्तरी क्षेत्र) के अतिरिक्त महानिदेशक व विभागाध्यक्ष राजिंदर कुमार ने कहा कि चतुर्थक भूविज्ञान में प्रो. सिंह की अग्रणी शोध उपलब्धियां आज भी कई आधुनिक अनुसंधानों की आधारशिला बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि प्रो. सिंह का कार्य पर्यावरणीय बदलाव और नदी प्रणालियों के अध्ययन में मार्गदर्शक बना हुआ है। इस मौके पर मौजूद पूर्व अतिरिक्त महानिदेशक जीएसआई डॉ. प्रभास पांडेय ने हिमालय की भूकंपीय संरचना पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि भारतीय प्लेट 5 मिमी प्रति वर्ष की गति से उत्तर की ओर बढ़ रही है, जिसके परिणामस्वरूप हिमालय निरंतर ऊंचा उठ रहा है। उन्होंने 1905 (कांगड़ा), 1934 (बिहार-नेपाल), 1991 (उत्तरकाशी), और 2015 (गोरखा) जैसे प्रमुख भूकंपों का उल्लेख करते हुए इस क्षेत्र की भूकंपीय संवेदनशीलता को रेखांकित किया। उन्होंने निर्माण परियोजनाओं के लिए भूवैज्ञानिक अध्ययन की आवश्यकता पर बल दिया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

राष्ट्रीय सेमीनार का उद्घाटन करेंगे केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 14 व 15 फरवरी को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सेमीनार विज़न विकसित भारत-2047 के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत विकास लक्ष्य कि आयोजन समिति कि बैठक संपन्न हुई। सेमीनार आयोजन समिति की समीक्षा बैठक में लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि इस राष्ट्रीय सेमीनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी 14 फरवरी को करेंगे। इस राष्ट्रीय सेमीनार में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करते हुए देश को 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए सुझाव-विचार विमर्श किये जायेंगे। यह आयोजन निति निर्माताओं, उद्योग जगत और शोधकर्ताओं के बीच संवाद का एक मंच प्रदान करेगा। सेमीनार की संयोजिका डॉ.शची राय ने बाताया कि देशभर से तीन सौ से ज्यादा शोधपत्र इस सेमीनार के लिए प्राप्त हुए है। जिनमें से 258 शोधपत्र सेमिनार की स्मारिका के लिए चयनित किये गए है। सेमीनार में देश के विभिन्न भागों से शिक्षाविद, नीति निर्माता, सरकारी-गैरसरकारी संगठनों के प्रतिनिधि एवं शोध छात्र-छात्राएं हाइब्रिड मोड में सम्मिलित होकर अपने विचार विकसित भारत के लिए प्रदान करेंगें। अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो.विनोद सिंह ने कहा, सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सीएसआर की भूमिका और देश की प्रमुख विकासात्मक चुनौतियों के समाधान का मार्ग प्रस्तुत करेगा यह सेमीनार। इसमें ग्रीनएनर्जी, कौशल आधारित शिक्षा, बेहतरीन स्वास्थ्य सेवा, जलवायु परिवर्तन और समावेशी आर्थिक विकास और भारत को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र की संकल्पना प्रस्तुत की जायेगी है। सेमीनार के आयोजन सचिव डॉ.हरनाम सिंह ने बताया कि सेमीनार से सम्बन्धित सभी व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई है। सेमीनार में विकसित भारत-2047 का दृष्टिकोण प्रस्तुत कर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में सभी अपनी भूमिका निर्वहन का संकल्प लेंगे। इस सेमीनार में उद्घाटन सत्र, एक्सपर्ट सत्र के साथ कुल 13 सत्रों में विचार-विमर्श एवं शोध पत्र प्रस्तुत कर विकसित भारत की संकल्पना के लिए सुझाव दिए जायेंगे। चयनित शोध पत्रों को यूजीसी केयर जर्नल और सम्पादित पुस्तक में आईएसबीएन के साथ प्रकाशित भी कराया जायेगा।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में 14 और 15 को होने वाले राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन करेंगे केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा 14 और 15 फरवरी को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सेमिनार विजन विकसित भारत @2047 के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व और सतत विकास लक्ष्य की आयोजन समिति की बैठक संपन्न हुई। सेमिनार आयोजन समिति की समीक्षा तैयारी बैठक में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बताया कि इस राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी 14 फरवरी को सुबह 11:30 बजे करेंगे। इस राष्ट्रीय सेमिनार में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करते हुए देश को 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए सुझाव -विचार विमर्श किये जायेंगे। यह आयोजन निति निमार्ताओं, उद्योग जगत और शोधकर्ताओं के बीच संवाद का एक मंच प्रदान करेगा। सेमिनार की संयोजिका डॉ शची राय ने बताया कि देश भर से तीन सौ से ज्यादा शोध पत्र इस सेमिनार के लिए प्राप्त हुए है जिनमें से 258 शोध पत्र सेमिनार की स्मारिका के लिए चयनित किये गए है। सेमिनार में देश के विभिन्न भागों से शिक्षाविद, नीतिनिमार्ता, सरकारी-गैरसरकारी संगठनों के प्रतिनिधि एवं शोध छात्र-छात्राएं हाइब्रिड मोड में सम्मिलित होकर अपने विचार विकसित भारत के लिए प्रदान करेंगें।

केंद्रीय बजट 2025 पर विद्यार्थियों ने की चर्चा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। प्रबंधन विभाग, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, लखनऊ विश्वविद्यालय ने यूथ पार्लियामेंट 2025 का आयोजन किया। यह आयोजन विद्यार्थियों को एक प्रभावी मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया। जहां उन्होंने केंद्रीय बजट 2025 पर चर्चा में गहन विचार-विमर्श किया। इस अनूठी पहल के माध्यम से प्रबंधन के छात्रों को राष्ट्र निर्माण से जुड़ी अपनी सोच व्यक्त करने का अवसर मिला। इस मंच ने छात्रों को बजट संबंधी नीतियों का समालोचनात्मक विश्लेषण करने और आर्थिक प्रशासन पर सार्थक चर्चा में भाग लेने का अवसर प्रदान किया। प्रतिभागियों ने विभिन्न मंत्रियों की भूमिका निभाते हुए एक संसदीय सत्र का सजीव अनुकरण किया, जिसमें उन्होंने प्रमुख बजट आवंटनों और उनकी संभावित प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। इस इंटरैक्टिव कार्यक्रम ने छात्रों को आलोचनात्मक सोच, निर्णय लेने और सार्वजनिक वक्तृत्व कौशल विकसित करने में मदद की, जिससे वे भविष्य में नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए तैयार हो सकें। प्रो.संगीता साहू, अध्यक्ष एवं डीन, फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़, लविवि ने इस पहल की सराहना की और छात्रों को ऐसे सिमुलेशन कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया। प्रो.संगीता ने कहा, यूथ पार्लियामेंट केवल एक शैक्षणिक अभ्यास नहीं है, यह छात्रों को वास्तविक दुनिया के मुद्दों से जुड़ने और आलोचनात्मक सोच विकसित करने का एक मंच प्रदान करता है। यूथ पार्लियामेंट 2025 केवल एक चर्चा तक सीमित नहीं था, बल्कि यह नीति निर्माण की जटिलताओं को समझने, राष्ट्रीय आर्थिक प्राथमिकताओं से अवगत होने और विश्लेषणात्मक क्षमताओं को वास्तविक दुनिया में लागू करने का एक मौका था।